आउटकम बजट 2023–24

विभाग का नामः– जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून, उत्तराखण्ड।

क0 सं0	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/ बजट		01-04-2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31-03-2023 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
			राजस्व	पूँजीगत					
1	विश्व बैंक वित्त पोषित उत्तराखण्ड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना	"राज्य के चयनित भू–परिदृश्य क्षेत्रों में वर्षा आधारित पर्वतीय कृषि प्रणाली को जलवायु अनुकूल उत्पादन प्रणाली के रूप में विकसित करना"	रू0 6128.52 लाख		**नवीन परियोजना** परियोजना का प्रस्ताव तैयार कर दिनांक 23.03.2022 को उत्तराखण्ड सरकार द्वारा आर्थिक कार्य विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित किया गया।	परियोजनान्तर्गत विभिन्न प्री–प्रीपरेशन कार्य यथा परियोजना क्षेत्र सर्वेक्षण/चयन को अन्तिम रूप, परियोजना घटक, संस्थागत नियमित पदों की तैनाती, अनुबन्ध पर तैनात किये जाने वाले आवश्यक विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति, बाह्य संस्थाओं, HR एजेन्सी के चयन इत्यादि हेतु कार्यवाही प्रारम्भ/गतिमान रहेगा।	वित्तीय वर्ष 2023–24 में परियोजनान्तर्गत विभिन्न प्री–प्रीपरेशन कार्यों यथा परियोजना क्षेत्र सर्वेक्षण/चयन को अन्तिम रूप, परियोजना घटक, संस्थागत नियमित पदों की तैनाती, अनुबन्ध पर तैनात किये जाने वाले आवश्यक विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति, बाह्य संस्थाओं, HR एजेन्सी के चयन इत्यादि को पूर्ण किया जायेगा। परियोजना की ग्राम पंचायत जलागम विकास योजना (GPWDP) के निर्माण/अनुमोदन उपरान्त ही परियोजना के भौतिक लक्ष्यों का निर्धारण सम्भव होगा तथा तद्नुसार आउटपुट/आउटकम की प्राप्ति होगी।		01 से 03 वर्ष

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप :–

क0 सं0	SDG संकेतक	01-04-2022 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31-03-2023 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2023–24	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2023–24
Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF) में विभाग का कोई भी सतत् विकास लक्ष्य इंगित नहीं है।					

आउटकम बजट 2023–24

विभाग का नामः– जलागम प्रबन्ध निदेशालय, देहरादून, उत्तराखण्ड।

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/ बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	01-04-2022 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31-03-2023 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु संभावित समयावधि
		राजस्व	पूँजीगत						
2. केन्द्र पोषित प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना–जलागम विकास घटक 2.0	सूक्ष्म जलागम क्षेत्रों के प्राकृतिक संसाधनों के उचित प्रबन्धन के माध्यम से वर्षा आधारित/निम्नकोटी भूमि की उत्पादक क्षमता में सुधार करना है तथा ग्रामीण समुदायों का संस्थागत सुदृढीकरण एवं क्षमता विकास करते हुए उनकी सहभागिता से प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग की दक्षता तथा आजीविका सम्बन्धित गतिविधियों के माध्यम से आय में वृद्धि करना है।	रू0 9221.00 लाख		1.गरीबी उन्मूलन 1.4 सभी पुरूषों व महिलाओं सहित गरीबों व कमजोरों को आर्थिक संसाधनों में समान अधिकार, मूलभूत सेवायें, भूमि, सम्पति, विरासत, प्राकृतिक संसाधन व नई प्रौद्योगिकी व वित्तीय सेवाओं से जोड़ना।	• परियोजना क्षेत्र की 370 ग्राम पंचायतों में ग्रामीण समुदायों का संस्थागत सुदृढीकरण एवं क्षमता विकास के दृष्टिगत 723 प्रशिक्षण कार्य व अभिमुखीकरण कार्यशालाओं का आयोजन।	• समस्त 370 ग्राम पंचायतों में सम्पत्ति/संसाधन विहीन परिवारों को चिन्हित कर समूहों में गठित कर आजीविका सम्वर्द्धन गतिविधियॉ आरम्भ करना।	• समस्त 370 ग्राम पंचायतों में Livelihood Action Plan अनुसार ग्राम पंचायत जलागम विकास योजनाओं (GPWDP) का कियान्वयन।	• परियोजना क्षेत्र में 370 ग्राम पंचायतों की समस्त सम्बन्धित परिवारों को आजीवका अवसर की उपलब्धता। • सम्पत्ति/संसाधन विहीन परिवारों की आय में वृद्वि।	1–3 वर्ष
				6. स्वच्छ जल एवं साफ सफाई 6.6 पर्वतों, वनो, आर्द्र भूमि, नदियों, जलदायी स्तरों और झीलों सहित सम्बन्धित पारितों का संरक्षण और पुनरूद्धार करना।	• परियोजना क्षेत्रों में 29 अमृत सरोवर/ग्रामीण तालाब, 24 जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण कार्य जिसके द्वारा 3478 घन0 मी0 जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि व 17 हे0 अतिरिक्त सिंचित क्षेत्रफल में वृद्धि।	• समस्त 370 ग्राम पंचायतों में जल उपलब्धता के दृष्टिगत जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण किया जाना।	• समस्त 370 ग्राम पंचायतों में क्षेत्र की आवश्यकता के दृष्टिगत GPWDP में प्रस्तावित अमृत सरोवर/ ग्रामीण तालाब, सिंचाई टैंक, LDPE टैंक, वर्षा जल संग्रहण टैंक इत्यादि जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण कार्य।	• परियोजना में लक्षित समस्त 370 ग्राम पंचायतों में GPWDP के कार्यो का कियान्वयन व परियोजना क्षेत्रान्तर्गत जल उपलब्धता व अतिरिक्त सिचित क्षेत्रफल में वृद्वि।	1–3 वर्ष
					• 285 Springshed में जल उत्सर्जन वृद्धि/पुनरूद्धार हेतु कार्य गतिमान हैं जिससे लगभग 25,627 ग्रामीण प्रत्यक्ष व अप्रत्क्ष रूप से लाभान्वित।	• चिन्हित 386 Springshed में जल उत्सर्जन में वृद्धि हेतु Springshed Development Plan तैयार कर गतिविधि कियान्वयन करना।	• परियोजना क्षेत्रों में Springshed Plan के अनुसार डग–आउट पॉण्ड/तालाब/ चाल–खाल/नौला–धारा का जीर्णोद्धार के कार्य एवं Catchment Area में रिचार्ज पिट, खन्तियों का निर्माण	• उपचारित जल स्रोतों में 5 से 10 प्रतिशत जल उत्सर्जन में वृद्धि। • परियोजना क्षेत्रों में 35,875 परिवारों को प्रत्यक्ष व अप्रत्क्ष रूप	

योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउट ले/ बजट		एस0डी0जी0 Goal/ Indicator	01-04-2022 की वास्तविक स्थिति	31-03-2023 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2023–24	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2023–24	आउटकम हेतु
					• 22,804 खन्तियॉ व रिचार्च पिट, 189 डग–आउट पॉण्ड/चाल खाल निर्माण, 161 नौला धारा/चाल–खाल का जीर्णोद्धार।		कार्य।	से लाभान्वित	
				15.थलीय जीवों की सुरक्षा **15.3–** 2030 तक मरूस्थलीकरण को रोकना, मरूस्थलीकरण, सूखा और बाढ़ से प्रभावित भूमि सहित अवकमित भूमि तथा मृदा का पुनरूद्धार करना और भूमि–अवकमण–निष्पक्ष विश्व को हासिल करने के लिए प्रयास करना।	• चयनित 25 सूक्ष्म जलागम में उपचार कार्य/ गतिविधि प्रारम्भ।	• 370 ग्राम पंचायतों मे चयनित 25 सूक्ष्म जलागम के उपचार/ गतिविधि का कियान्वयन प्रारम्भ।	• 25 सूक्ष्म जलागम में 370 ग्राम पंचायतों की GPWDP अनुसार जलागम उपचार के विभिन्न कार्यक्रम यथा– • वानिकी रोपण, उद्यान स्थापना, भूमि एवं मृदा संरक्षण संरचनाओं का निर्माण कार्य। • परती भूमि उपचार कार्य, चारा विकास कार्य • उच्च उत्पादकता फसल सब्जी का कियान्वयन कार्य।	• 370 ग्राम पंचायतों में 25 सूक्ष्म जलागमों का 33% क्षेत्र उपचारित। • 5–10% वानस्पतिक आच्छादन में वृद्धि। • मृदा संरक्षण। • कृषि उत्पादन में वृद्धि। • कृषकों की आय में वृद्धि। • चारा उत्पादन में वृद्धि • अतिरिक्त सिचिंत क्षेत्र में वृद्धि।	1–3 वर्ष

नोट– वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु प्रस्तावित धनराशि से जनपद एवं ग्रामीण स्तरीय संस्थागत सुदृढ़ीकरण, क्षमता विकास, प्राकृतिक संसाधनों का उपचार, उत्पादक प्रणाली एवं आजीविका संवर्धन गतिविधियों के कार्य किये जायेंगे। सम्बन्धित कार्यों के अन्तिम लक्ष्यों का निर्धारण परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) के अनुमोदन उपरान्त ही किया जाना सम्भव होगा।

सतत् विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप :–

क0 सं0	SDG संकेतक	01-04-2022 की स्थिति (भौतिक स्थिति)	31-03-2023 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) 2023–24	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) 2023–24
Uttarakhand Sustainable Development Goals (SDG): State Indicator Framework (SIF) में विभाग का कोई भी सतत् विकास लक्ष्य इंगित नहीं है।					